भारत तीन साल में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा

रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अगले तीन वर्षों में पांच लाख करोड़ डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। सतत सुधारों से यह वर्ष 2030 तक सात लाख करोड़ डॉलर का आंकड़ा भी छू लेगा। मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था की जनवरी माह की समीक्षा रिपोर्ट में यह बात कही है।

दस साल पहले भारत 1.9 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी के साथ 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था था। रिपोर्ट में कहा गया कि महामारी के असर और वृहद-आर्थिक असंतुलन एवं खंडित वित्तीय क्षेत्र वाली अर्थव्यवस्था की विरासत के बावजूद भारत वित्त वर्ष 2023-24 में 3.7 लाख करोड़ डॉलर की अनुमानित जीडीपी के साथ पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। मंत्रालय ने कहा, 10 वर्षों की यह यात्रा ठोस एवं क्रमिक दोनों तरह के सुधारों से गुजरी है। इन्होंने आर्थिक प्रगति में अहम योगदान दिया।

सात फीसदी की वृद्धि दर संभव : रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मांग की ताकत ने पिछले तीन वर्षों में अर्थव्यवस्था को सात फीसदी से अधिक की वृद्धि दर दी है। वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत रह सकती है। वर्ष 2030 तक यह 7% से अधिक हो सकती है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसार, भारत अगले तीन साल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह ट्रेंड भारत को 2030 तक जापान व जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर ले जाएगा।

चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था वृद्धि का अनुमान (% में)

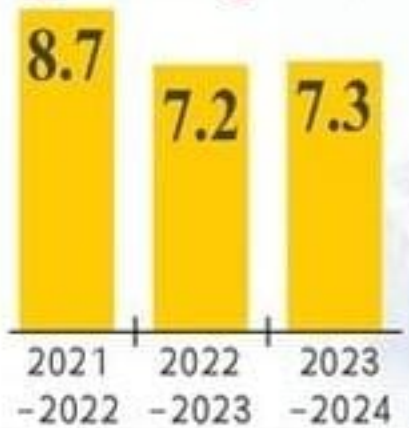

अर्थव्यवस्था जीवंत ऊर्जा से लबरेज है। व्यापक स्तर पर जो उम्मीद की किरण दिख रही है, उसे मापने के लिए 'राष्ट्रीय आत्मविश्वास सूचकांक' बनाना चाहिए। -कुमार मंगलम बिड़ला, चेयरमैन, आदित्य बिड़ला समूह